









# MGM मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नए भवन का पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने किया निरीक्षण

कहा-हमारी सरकार ने तीन अस्पताल का किया शिलान्वास था जिसमें से दो का काम चल रहा है पर चाईबासा में काम रुका हुआ है

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:



एनजीएम मेडिकल कॉलेज ने बाद एक अस्पताल बिलिंग का निरीक्षण करते रहा।



सरकार की ओर से यह योजना आई थी ज्ञारखंड में तीन मेडिकल कॉलेज बनना है, दो जगह काम चल रहा है मगर चाईबासा का काम रुका हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में ज्ञारखंड के तीन से विकास हो रहा था। मगर अब विकास की रफ़तार में गिरावट हुई है, मगर एमजीएम के नए बन रहे भवन से रघुवर दास काफ़ी संतुष्ट दिखे। विजिट होगी इस भवन का निर्माण कार्य इसी साल पूरा हो जाएगा और साल के अंत में इसके उद्घाटन की योजना है।

ऐसा ही उद्घाटन के बाद लोगों ने बताया कि मृतक परसुडी में ही किसी होटल में काम करता है और वह शंकर महारे के होटल में काम करता है। वह होटल का कार्यराह था। वही कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि वह नशा करने के कारण जा रहा था जिससे उन्हें ठोक लग गई होगी और वह राते पर गिर गया होगा। प्रातः सूचना के अनुसार मृतक होटल में ही रहता था।

एलएलबी प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी, कॉलेज की ओर से मेधा सूची तैयार कर लिया जाएगा दाखिला

Jamshedpur:

कोल्हान विश्वविद्यालय ने को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में संचालित एलएलबी कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम कालेज की वेबसाइट [www.jclc.co.in](http://www.jclc.co.in) पर जाकर देख सकते हैं। सूची इसमें कॉलेज द्वारा दिये गए अधिकारी के अंकों के प्रतिशत की योजना है।

परीक्षकों के अंकों के अनुसार मृतक होटल में ही किसी होटल में जूती हैं। माना जा रहा है कि इसके बन जाने से कोल्हान के लोगों को इलाज हो जाएगा। इसके बाद लोगों की वेहतर सुविधा मिल सकेगी।

छोटा गोविंदपुर में पाइपलाइन मरम्मती का कार्य किया शुरू



पाइपलाइन मरम्मती का कार्य करता गजटूर • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:

उपर्युक्त विजया जाधव के निर्देश द्वारा ये जिसके बाद सोमवार से काम पर पैदेजल एवं स्वच्छता विभाग ने छोटा गोविंदपुर में पैदेजल समस्या के समाधान का कार्य शुरू कर दिया है। इस बीएड कॉलेज के तीन मरम्मता भवन के निर्माण का आधा हिस्सा जनता दरवार के बाद ही हुड़ीकों में आयोजित उपर्युक्त में साप्ताहिक जनता दरबार में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पाइप लिंकेज से आधा हिस्सा सरकारी जमीन पर तथा अनुमंडलालिकारी की अनुवार्ता में हो रही पानी की बाबरी का मामला उठाया था। उपर्युक्त पैदेजल के अनुसार अपनी प्रीमानसून के तहत हल्की बारिश हो रही है। विभाग ने बताया कि 18 से 20 जून के बीच ज्ञारखंड में मानसून के प्रवेश होने की संभावना है। जिसके तहत

**मौसम हुआ सुहाना, 18 से 20 जून के बीच मानसून के प्रवेश की संभावना**

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:

शहर में मौसम एकांक सुहाना होने से बारी गर्मी के बीच में लोगों ने तो राहत की सांस ली। आकाश में काले दातान व हल्की दृढ़ी चल रही है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए बताया कि पूर्वी सिंहभूम में बारिश होने की संभावना जारी है। ज्ञारेंद्रपुर व इसके आस पास के क्षेत्रों में काले दातान छाए हुए हैं पिछले दिन भी शहर के किन्तु क्षेत्रों में बारिश हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार अपनी प्रीमानसून के तहत हल्की बारिश हो रही है। विभाग ने बताया कि 18 से 20 जून के बीच ज्ञारखंड में मानसून के प्रवेश होने की संभावना है। जिसके तहत



उपर्युक्त ने कहा कि वे इसकी कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक बीएड कॉलेज के विशेष द्वारा कोई कार्यालय से नहीं हुई है।

**बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 9 जुलाई को**



Jamshedpur:

कोल्हान विश्वविद्यालय ने बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा की तिथि घोषित कर दी है। इसके तहत प्रवेश परीक्षा 9 जुलाई को आयोजित होगी। मिसेस केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। यह प्रवेश परीक्षा सुबह 10 बजे से शुरू होकर दोपहर 12 बजे तक संचालित होगी। केंद्र में इंटीर्न का समय सुबह 9 बजे तक हवन किया जायेगा। उसके बाद आयोजन किया जायेगा। 14 बजे सुबह 8 बजे कलश यात्रा निकाली जायेगी। उसी दिन शाम 4 बजे से प्रवेशन का आयोजन किया जायेगा। उसके बाद दोपहर 1:00 बजे से महारंगड़ा का आयोजन आयोजित होगा। यह अंतिम दिन 16 जून को सुबह 8 बजे से गीता पाठ का आयोजन किया जायेगा। इसके बाद गयत्री परिवार एवं आर्य समाज द्वारा हवन

इसलिए वे आखिरी बार डीसी को पत्र लिख रहे हैं। अब वे शोध उच्च न्यायालय की शरण में जाएंगे। इस संदर्भ में कॉलेज के निदेशक आरएन मोहनी ने बताया कि इस मामले में वह हाईकोर्ट में केस लड़ रहे हैं। फिल्हाल न्यायालय से स्टे आर्डर प्राप्त है। उन्होंने शिकायतकर्ता पर आरोप लगाया कि कॉलेज की पांच हवाजार इंटीर्न की चोरी की थी, जिसकी शिकायतकर्ता पर आरोप लगाया कि कॉलेज की पांच हवाजार इंटीर्न को कटक ले जाया गया है। इस मामले में वह आरोपी है। अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। शिकायतकर्ता तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर मुझे मानसिक रूप से प्रताङ्गित करते रहे हैं।

आज कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय यज्ञ की होगी शुरूआत



PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:

भगीरथवंशी शहीद आत्मा शांति महारंग समिति की ओर से 14 जून से तीन दिवसीय यज्ञ का आयोजन किया जायेगा। यज्ञ का आयोजन आदित्यपुर स्थित यज यात्रा प्रकाश उद्यान में किया जायेगा। 14 को सुबह 8 बजे कलश यात्रा निकाली जायेगी। उसी दिन शाम 4 बजे से प्रवेशन का आयोजन किया जायेगा। अंतिम दिन 16 जून को सुबह 8 बजे से गीता पाठ का आयोजन किया जायेगा। इसके बाद दोपहर 1:00 बजे से महारंगड़ा का आयोजन होगा। यज्ञ में विशेष रूप से चिरकृत धाम से पधरे 108 स्थानीय परीक्षार्थी आयोजित होंगे। यज्ञ में विशेष रूप से चिरकृत धाम से पधरे 108 स्थानीय परीक्षार्थी आयोजित होंगे। यज्ञ में विशेष रूप से चिरकृत धाम से पधरे 108 स्थानीय परीक्षार्थी आयोजित होंगे। यज्ञ में विशेष रूप से चिरकृत धाम से पधरे 108 स्थानीय परीक्षार्थी आयोजित होंगे।

का आयोजन किया जायेगा। उसी दिन दोपहर 1 बजे से मासमाज द्वारा आयोजन होने जा रहा है। समिति ने बताया कि कैंपस के देश-विदेशी विद्यार्थी आयोजित होने जा रहे हैं। देश-विदेशी विद्यार्थी आयोजित होने जा रहे हैं।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है। समिति ने बताया कि वह एक वाल्मीकी यज्ञ का आयोजन होने जा रहा है।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है। समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है।

CBSE ने किया बोर्ड परीक्षाओं में बदलाव जुलाई के बाद से आयोजित होंगे सत्र

कैचअप सेशन से छात्र समझौते बदला परीक्षा पैटर्न

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:

सीबीएससी स्कूलों में 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के बदले पैटर्न को समझाने के लिए कैचअप सेशन चलेगा। बोर्ड ने हाल ही में 10वीं के परीक्षा पैटर्न में बदलाव किया है। नए पैटर्न के तहत परीक्षा में अब मल्टीपल चॉइस सवालों को संभाला जाएगा। उसके बाद दोपहर 1:00 बजे से महारंगड़ा का आयोजन आयोजित होगा।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है। समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक यज का आयोजन होने जा रहा है।

समिति ने बताया कि वह एक ऐतिहासिक

## निजता की दृष्टि

देश में इस अफवाह से सनसनी कैल गई थी कि कोविन में दर्ज डाटा लीक हो गया है। मार केंद्र सरकार ने तत्काल पड़ताल करते हुए स्पष्ट कर दिया कि कोई डाटा चोरी नहीं गया है। खासगौर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय निशाने पर आ गया था और विषय के अनेक नेता सरकार पर हमलाकार हो गए थे। कोविन पर कोरोनों लोगों का डाटा दर्ज है। यह वही कोविन है, जिसके जरिये देश में टीकाकरण हुआ है। कोविन पर कोरोनों लोगों का डाटा दर्ज है। यह वही कोविन है, जिसके जरिये भारत ने अपने ऐतिहासिक टीकाकरण अधिनान को सफलतापूर्वक चलाया है। कोविन अगर न होता, तो भारत जैसे देश में राष्ट्रीयी स्तर पर टीकाकरण अधिनान चलाना असंभव था। कोविन ने न केवल लोगों के टीकाकरण को दर्ज किया, टीके की दूसरी खुराक लेने के प्रति भी सजग रखा। परन्तु नहीं कैसे कोविन पर सबत उठ खड़े हुए? अफवाह फैल गई कि कांथत तौर पर लीक डाटा को ह्यॉरेक्टर नामक वेबसाइट पर बिक्री के लिए रखा गया है। इससे कोविन पर ही नहीं, तो भारत के समग्र डाटा सुरक्षा तंत्र पर सबत उठ खड़े हुए थे। वाकई, अगर डाटा लीक होना महज अफवाह है, तब भी सरकार को अपनी पड़ताल परी करनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मामले की जांच करेगा। अगर कोविन में थोड़ी सी भी सेंधारी हुई हो, तो भी यह गंभीर अपराध है। दोषियों को छोड़ना नहीं चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि कोविन का डाटा लीक करने की सजिला हो रही है? क्या ऐसे अवैध डाटा विक्रेता बाजार में हैं, जो कोविन का डाटा हथियाने की फिल्म में घाट लगाए बैठे हैं? अगर ऐसी कोई सजिला हो रही है, तब न केवल गोपनीयता या काउल बढ़ावा, बल्कि यह राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलावड़ भी है। भारत दुनिया की सबसे विश्वाल आवादी बाता देख है और जारिर है, यह एक बड़ा बाजार भी है, अतः यहाँ लोगों से संबंधित आंकड़े। न जाने किनी कंपनियों की स्वार्थ-पूर्णी का माध्यम बनेंगे? अतः सरकार को पूरी अंगीरता से कदम उठाने चाहिए। सरकारी सर्वर को चाक-चौंकद करना जरूरी है। भारतीयों का डाटा सौ तारों में सुरक्षित रहना चाहिए। हर कोई केवल अपना डाटा देख सके, किसी नहीं चाहिए। इन लोगों ने याकूब मेनन जैसे खुराक अंतकी पोर बचाने के लिए राष्ट्रपति ने कुछ ऐसे कार्य किये जो देशद्रोह की श्रेष्ठी में रखे जा सकते हैं। इन लोगों ने याकूब मेनन जैसे खुराक अंतकी पोर लिखने का अभिनान चलाया। अमिर-शाहरुख-नसीर को भारत में डर लगने लगा। अपनी फिल्मों के प्रचार के लिए ये टुकड़े-टुकड़े गैंग से जा मिले, जिसके बाद दर्शकों के एक बहुत बड़े वर्ग में आक्रोश की ज्याला भड़क उठी। हिंदी फिल्मों के बहिष्कार का आह्वान होने लगा और हालात यह हो गए कि बड़े-बड़े स्टार माने जाने वाले लोगों की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर पानी भी नहीं मांगा। बीते कुछ वर्षों में दर्शकों की रुचि और यार में बदलाव आया।

## ANALYSIS



**मृत्युंजय दीक्षित**

धीर-धीरे दर्शकों में यह समझ उभरने लगी कि उनके साथ छल हो रहा है। उन्होंने अनुमति किया कि वायपंथी और तथाकथित सेवयुलर इस महत्वपूर्ण माध्यम का उपयोग वृहद हिंदू समाज और संस्कृति को उनके अपमानित करने और युवा हिन्दू को अपने धर्म और संस्कृति को उनके साथ छल हो रहा है। उन्होंने शार्धुओं को एक सफल पंजीकरण व्यवस्था माना गया है और इसके जरिये भारत ने अपने ऐतिहासिक टीकाकरण अधिनान को सफलतापूर्वक चलाया है। कोविन अगर न होता, तो भारत जैसे देश में राष्ट्रीयी स्तर पर टीकाकरण अधिनान चलाना असंभव था। कोविन ने न केवल लोगों के टीकाकरण को दर्ज किया, टीके की दूसरी खुराक लेने के प्रति भी सजग रखा। परन्तु नहीं कैसे कोविन पर सबत उठ खड़े हुए? अफवाह फैल गई कि कांथत तौर पर लीक डाटा को ह्यॉरेक्टर नामक वेबसाइट पर बिक्री के लिए रखा गया है। इससे कोविन पर ही नहीं, तो भारत के समग्र डाटा सुरक्षा तंत्र पर उठ खड़े हुए थे। वाकई, अगर डाटा लीक होना महज अफवाह है, तब भी सरकार को अपनी पड़ताल परी करनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मामले की जांच करेगा। अगर कोविन में थोड़ी सी भी सेंधारी हुई हो, तो भी यह गंभीर अपराध है। दोषियों को छोड़ना नहीं चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि कोविन का डाटा लीक करने की सजिला हो रही है? क्या ऐसे अवैध डाटा विक्रेता बाजार में हैं, जो कोविन का डाटा हथियाने की फिल्म में घाट मांसमंस न ले ली। इन्हीं खान बधुओं में भी देख वाले हीरो को देखने लोगों के लिए देखकर तालियों बजाते अपनी कुंठा से बाहर निकलने का प्रयास करते थे। फिर खान बधुओं की फिल्मों का समय प्रारम्भ हुआ और एंगर की जगह रामसंस न ले ली। इन्हीं खान बधुओं को एक सफल पंजीकरण व्यवस्था माना गया है और इसके जरिये भारत ने अपने ऐतिहासिक टीकाकरण अधिनान को सफलतापूर्वक चलाया है। कोविन अगर न होता, तो भारत जैसे देश में राष्ट्रीयी स्तर पर टीकाकरण अधिनान चलाना असंभव था। कोविन ने न केवल लोगों के टीकाकरण को दर्ज किया, टीके की दूसरी खुराक लेने के प्रति भी सजग रखा। परन्तु नहीं कैसे कोविन पर सबत उठ खड़े हुए? अफवाह फैल गई कि कांथत तौर पर लीक डाटा को ह्यॉरेक्टर नामक वेबसाइट पर बिक्री के लिए रखा गया है। इससे कोविन पर ही नहीं, तो भारत के समग्र डाटा सुरक्षा तंत्र पर उठ खड़े हुए थे। वाकई, अगर डाटा लीक होना महज अफवाह है, तब भी सरकार को अपनी पड़ताल परी करनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मामले की जांच करेगा। अगर कोविन में थोड़ी सी भी सेंधारी हुई हो, तो भी यह गंभीर अपराध है। दोषियों को छोड़ना नहीं चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि कोविन का डाटा लीक करने की सजिला हो रही है? क्या ऐसे अवैध डाटा विक्रेता बाजार में हैं, जो कोविन का डाटा हथियाने की फिल्म में घाट मांसमंस न ले ली। इन्हीं खान बधुओं को एक सफल पंजीकरण व्यवस्था माना गया है और इसके जरिये भारत ने अपने ऐतिहासिक टीकाकरण अधिनान को सफलतापूर्वक चलाया है। कोविन अगर न होता, तो भारत जैसे देश में राष्ट्रीयी स्तर पर टीकाकरण अधिनान चलाना असंभव था। कोविन ने न केवल लोगों के टीकाकरण को दर्ज किया, टीके की दूसरी खुराक लेने के प्रति भी सजग रखा। परन्तु नहीं कैसे कोविन पर सबत उठ खड़े हुए? अफवाह फैल गई कि कांथत तौर पर लीक डाटा को ह्यॉरेक्टर नामक वेबसाइट पर बिक्री के लिए रखा गया है। इससे कोविन पर ही नहीं, तो भारत के समग्र डाटा सुरक्षा तंत्र पर उठ खड़े हुए थे। वाकई, अगर डाटा लीक होना महज अफवाह है, तब भी सरकार को अपनी पड़ताल परी करनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मामले की जांच करेगा। अगर कोविन में थोड़ी सी भी सेंधारी हुई हो, तो भी यह गंभीर अपराध है। दोषियों को छोड़ना नहीं चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि कोविन का डाटा लीक करने की सजिला हो रही है? क्या ऐसे अवैध डाटा विक्रेता बाजार में हैं, जो कोविन का डाटा हथियाने की फिल्म में घाट मांसमंस न ले ली। इन्हीं खान बधुओं को एक सफल पंजीकरण व्यवस्था माना गया है और इसके जरिये भारत ने अपने ऐतिहासिक टीकाकरण अधिनान को सफलतापूर्वक चलाया है। कोविन अगर न होता, तो भारत जैसे देश में राष्ट्रीयी स्तर पर टीकाकरण अधिनान चलाना असंभव था। कोविन ने न केवल लोगों के टीकाकरण को दर्ज किया, टीके की दूसरी खुराक लेने के प्रति भी सजग रखा। परन्तु नहीं कैसे कोविन पर सबत उठ खड़े हुए? अफवाह फैल गई कि कांथत तौर पर लीक डाटा को ह्यॉरेक्टर नामक वेबसाइट पर बिक्री के लिए रखा गया है। इससे कोविन पर ही नहीं, तो भारत के समग्र डाटा सुरक्षा तंत्र पर उठ खड़े हुए थे। वाकई, अगर डाटा लीक होना महज अफवाह है, तब भी सरकार को अपनी पड़ताल परी करनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मामले की जांच करेगा। अगर कोविन में थोड़ी सी भी सेंधारी हुई हो, तो भी यह गंभीर अपराध है। दोषियों को छोड़ना नहीं चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि कोविन का डाटा लीक करने की सजिला हो रही है? क्या ऐसे अवैध डाटा विक्रेता बाजार में हैं, जो कोविन का डाटा हथियाने की फिल्म में घाट मांसमंस न ले ली। इन्हीं खान बधुओं को एक सफल पंजीकरण व्यवस्था माना गया है और इसके जरिये भारत ने अपने ऐतिहासिक टीकाकरण अधिनान को सफलतापूर्वक चलाया है। कोविन अगर न होता, तो भारत जैसे देश में राष्ट्रीयी स्तर पर टीकाकरण अधिनान चलाना असंभव था। कोविन ने न केवल लोगों के टीकाकरण को दर्ज किया, टीके की दूसरी खुराक लेने के प्रति भी सजग रखा। परन्तु नहीं कैसे कोविन पर सबत उठ खड़े हुए? अफवाह फैल गई कि कांथत तौर पर लीक डाटा को ह्यॉरेक्टर नामक वेबसाइट पर बिक्री के लिए रखा गया है। इससे कोविन पर ही नहीं, तो भारत के समग्र डाटा सुरक्षा तंत्र पर उठ खड़े हुए थे। वाकई, अगर डाटा लीक होना महज अफवाह है, तब भी सरकार को अपनी पड़ताल परी करनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मामले की जांच करेगा। अगर कोविन में थोड़ी सी भी सेंधारी हुई हो, तो भी यह गंभीर अपराध है। दोषियों को छोड़ना नहीं चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि कोविन का डाटा लीक करने की सजिला हो रही है? क्या ऐसे अवैध डाटा विक्रेता बाजार में हैं, जो कोविन का डाटा हथियाने की फिल्म में घाट मांसमंस न ले ली। इन्हीं खान बधुओं को एक सफल पंजीकरण व्यवस्था माना गया है और इसके जरिये भारत ने अपने ऐतिहासिक टीकाकरण अधिनान को सफलतापूर्वक चलाया है। कोविन अगर न होता, तो भारत जैसे देश में राष्ट्रीयी स्तर पर टीकाकरण अधिनान चलाना असंभव था। कोविन ने न केवल लोगों के टीकाकरण को दर्ज किया, ट



